वर्ष 2022–2023 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार कर्मचारियों के लिए ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी'' प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत राजभाषा विभाग द्वारा यथा–विनिर्दिष्ट सभी 14 दस्तावेजों को अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में जारी किया जाता है। संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की मोहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है।

वर्ष 2022–2023 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं:–

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति हरिद्धार के सदस्य संगठनों के पदाधिकारियों के लिए 23–27 मई, 2022 के दौरान राजसं द्वारा निबंध प्रतियोगिता (आनलाईन) का

आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में रुड़की स्थित विभिन्न संगठनों के कुल 47 प्रतियोगियों ने प्रतिभाग किया।

- नराकास, हरिद्वार की ओर से दिनांक 16 जून, 2022 को केंद्रीय विद्यालय बी.एच.ई.एल, हरिद्वार के सौजन्य से आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में संस्थान के दो अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- सी.बी.आर.आई, रुड़की द्वारा 24 जून, 2022 को आयोजित आनलाईन हिंदी कार्यशाला में राजसं के 08 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 83वीं बैठक दिनांक 28 जून, 2022 को निदेशक राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

- संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भारत सरकार की राजभाषा नीति, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, हिंदी पत्र लेखन, कम्प्यूटर पर हिंदी कार्य आदि विषयों पर दिनांक 30 जून, 2022 को एकदिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 24 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- आजादी का अमृत महोत्सव की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संस्थान द्वारा दिनांक 14 जुलाई, 2022 को ग्राम खानपुर, ब्लॉक खानपुर, जिला हरिद्वार में 70वीं कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की दिनांक 26 अगस्त, 2022 को आयोजित 34वीं अर्धवार्षिक बैठक में निदेशक राजसं सहित कुल चार पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस बैठक में राजभाषा प्रभारी ने संस्थान द्वारा किए जा रहे हिंदी कार्यों का पावर प्वांइट प्रस्तुतिकरण भी दिया।

- संस्थान में दिनांक 14 सितंबर, 2022 से 29 सितंबर, 2022 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस समारोह में संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका "प्रवाहिनी" (वर्ष–2022) का विमोचन भी किया गया।

- दिनांक 14–15 सितंबर, 2022 के दौरान सूरत, गुजरात में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान के तीन पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस समारोह में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक

डॉ. ए.के.लोहनी, वैज्ञानिक–जी को राजभाषा विभाग द्वारा राजसं की वार्षिक हिंदी गृह पत्रिका ''प्रवाहिनी'' में प्रकाशित लेख हेतु वर्ष 2021–22 के लिए ''राजभाषा गौरव पुरस्कार'' प्रदान किया गया।

- संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए दिनांक 23 सितंबर, 2022 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 23 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 84वीं बैठक दिनांक 30 सितंबर, 2022 को निदेशक राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार के रुड़की स्थित सदस्य संगठनों के लिए दिनांक 17 नवम्बर, 2022 को यूनीकोड/हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 38 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

- नराकास, हरिद्वार की ओर से दिनांक 15 दिसंबर, 2022 को होटल तुलसी, ऋषिकेश में आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में संस्थान के दो अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- दिनांक 16 दिसंबर, 2022 को आयोजित स्थापना दिवस के अवसर पर राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मुख्यालय के सतही जलविज्ञान प्रभाग एवं क्षेत्रीय केंद्र जम्मू को राजभाषा चल शील्ड प्रदान की गई।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 85वीं बैठक दिनांक 27 दिसंबर, 2022 को निदेशक राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की दिनांक 23 जनवरी, 2023 को आयोजित 35वीं अर्धवार्षिक बैठक में कार्यकारी निदेशक राजसं सहित कुल चार पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस बैठक में संस्थान को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राजभाषा वैजयंती का तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- यू.एम.एस. पत्रिका, गाजियाबाद द्वारा दिनांक 10 मार्च, 2023 को आयोजित समारोह में संस्थान के दो पदाधिकारियों ने प्रतिभाग कर राजभाषा के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए पुरस्कार प्राप्त किए।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 86वीं बैठक दिनांक 14 मार्च, 2023 को निदेशक राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए दिनांक 28 मार्च, 2023 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 31 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।